

हो गई है 3. दूसरे से आगे बढ़ जाना- विकास में भारत अन्य देशों से आगे बढ़ रहा है 4. महंगा हो जाना- गेहूँ के दाम बढ़ गए हैं।

बढ़नी स्त्री. (देश.) 1. सीकों आदि के समूह को बाँधकर बनी वह वस्तु जिससे घर, फर्श आदि में स्थित धूल, कूड़ा आदि को हटाया जाता है, झाड़ू, बुहारी 2. पेशगी के रूप में लिया जाने वाला अन्न या धन।

बढ़ाव पुं. (तद्.) 1. बढ़ने की क्रिया या भाव 2. विस्तार या फैलाव 3. वृद्धि।

बढ़ावा पुं. (तद्.) 1. किसी को अच्छे कार्य करने के लिए उत्साहित करना 2. उत्साहवर्धन के लिए कही जाने वाली बात या किसी प्रकार का उत्तम सहयोग।

बढ़िया वि. (तद्.) अच्छा, अच्छी किस्म का, उत्तम जैसे- बढ़िया चावल, बढ़िया व्यवहार विलो. घटिया पुं. एक प्रकार का कोल्हू स्त्री. 1. एक प्रकार की दाल 2. जलाशयों आदि की बाढ़।

बढ़ोतरी स्त्री. (तद्.) 1. बढ़ने या पहले से अधिक हो जाने का भाव 2. बढ़ा हुआ भाग या अंश 3. बदन, वृद्धि।

बणिक/वणिक पुं. (तद्.) 1. व्यापार करने वाला, व्यापारी 2. सौदागर 3. बनिया।

बतंगड़ पुं. (तद्.) किसी छोटी सी बात को या घटना को बहुत बढ़ाचढ़ाकर इस प्रकार बोलना जिससे अनावश्यक विवाद उत्पन्न हो जाए।

बतकट वि. (तद्.) किसी के बोलते समय या किसी से बात करते हुए व्यक्ति की बात को बीच में ही काटकर बोलने वाला अन्य व्यक्ति उदा. बतकट व्यक्ति असभ्य माना जाता है।

बतकही स्त्री. (तद्.) 1. मनोविनोद के लिए की जाने वाली आपसी बातचीत 2. कथन 3. कहासुनी, विवाद।

बतख स्त्री. (तद्.) हंस जाति का श्वेत रंग वाला एक जलपक्षी जो प्रायः जलाशयों में तैरता रहता है तथा जो ऊँचा नहीं उड़ सकता।

बतचल वि. (तद्.) 1. बकवाद करने वाला, बकवादी 2. बातूनी।

बतबदाव पुं. (तद्.) 1. अनावश्यक रूप से किसी छोटी बात का बढ़ जाना 2. बात बढ़ने से विवाद होने की स्थिति 3. बतंगड़।

बतरस पुं. (तद्.) 1. बातचीत का आनंद, मजा 2. वार्ता का रस।

बतलाना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी को कोई बात बताना 2. जताना, समझाना 3. सूचित करना अ.क्रि. बात करना।

बताशा/बतासा पुं. (तद्.) 1. शर्करा या बूरा से बनी मिठाई जो ऊपर की ओर फूली हुई श्वेत रंग की एक टिक्की की तरह होती है, गर्मी में तो लोग इसे पानी में भिगोकर भी खाते हैं 2. गोलागप्पा जो छोटे गोलाकार में सूजी या आटे से बना तथा पकाने से फूला हुआ होता है स्त्री. 1. हवा 2. तूफान।

बतिया स्त्री. (तद्.) 1. बात, कथन 2. प्यारी बातें उदा. तुम्हारी बतियाँ सुनकर मन प्रसन्न हुआ स्त्री. (देश.) किसी सब्जी की लता में या वृक्ष की शाखा में अभी कुछ ही दिनों का ताजा लगा हुआ छोटा व कच्चा फल उदा. इहाँ कुम्हड़ बतिया कोउ नहीं, जे तरजनी देखि मरि जाहीं। -तुलसी मानस।

बतियाना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी संबंध में बात करना 2. पेड़ में फल लगना।

बतियार स्त्री. (देश.) आपस में होने वाली, बातचीत।

बतीसी स्त्री. (देश.) 1. मुख के अंदर नीचे ऊपर की दंत पंक्ति 2. बत्तीसों दाँत 3. बत्तीस चीजों का समूह।

बतौर क्रि.वि. (अर.) 1. किसी की तरह, सदृश 2. किसी के रूप में जैसे- वहाँ पर आप बतौर एक कवि आमंत्रित हैं, कृपया आप इसे बतौर अमानत रख लें।

बतौरी स्त्री. (देश.) 1. रक्त विकार के कारण शरीर में मांस का उभरा हुआ अंश 2. गाँठ 3. रसौली।